डॉ आनंद तेलतुंबड़े को रिहा करो

एक इंसाफ़ पसंद समाज और जवाबदेह हुकूमत के लिए आपने तन, मन और धन से, सालों से, ना सिर्फ़ संघर्ष किया, पर लोगों के बीच में सोच-विचार की धाराओं को रखा, अपनी 26 किताबों के ज़रिए एक इंक़लाबी सपना आवाम और जनता के बीच में फैलाया। बस इसी 'जुर्म' के लिए आप जैसे बुद्धिजीवी को जेल के अंदर क़ैद किया गया है जिन्होंने दलित अधिकारों के लिए ताउम्र लिखा।आपके विचार और संघर्षशील क़ुर्बानी और भी तेज़ी से फैलेगी और आप जल्दी ही रिहा होंगे।